NEWS CLIPPING:01.12.2023

PUNJAB KESARI

शिक्षा अपनी मातृभाषा में होनी चाहिए : प्रो. एसके तोमर

- भारतीय विज्ञान क्षेत्र में जेसी बोस का विशिष्ठ स्थान : डॉ मेहर वान
- महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस का 165वां जन्मदिवस मनाया

फरीदाबाद, 30 नवम्बर (सुरजमल) : जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए के सभागार में बीरवार को प्रसिद्ध एवं महान भारतीय वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस का 165वां जन्मदिवस मनाया गया।

विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. परमजीत खुराना एवं डा. मेहर वान ने अपने संबोधन में महान वैज्ञानिक जे सी बोस के जीवन वृतांत एवं उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में बताया। टी पी ओ राजेश कुमार आहूजा ने अपने स्वागत भाषण में भारतीय वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस की जीवनी एवं उनके शोध के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. एसके तोमर, प्रो. नीतू गुप्ता, डॉ. मनीषा गर्ग, डॉ अनुराधा शर्मा और प्रो सोनिया बंसल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. एस के तोमर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य भी यही है। जेसी बोस के पिता चाहते थे की उन्हें पहले अपनी मातृभाषा बंगाली आनी चाहिए उसके बाद अंग्रेजी सीखें। एनईपी-20 मातृभाषा के महत्व को दर्शाती है। महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने पौधा विज्ञान पर दो पुस्तकें अपनी मातृभाषा बंगाली में लिखी हैं। 30 नवंबर को बंगाल में जन्म लेने वाले भारतीय वैज्ञानिक जे सी बोस को प्रथम वैज्ञानिक स्वतंत्रता सेनानी कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। भारत में अंग्रेज साम्राज्य के दौरान उन्होंने तीन वर्ष तक बिना वेतन के अध्यापक की नौकरी की। सर सीवी रमण और सर जगदीश चंद्र बोस दोनों ऐसे भारतीय वैज्ञानिक रहे हैं जिनका विज्ञान के क्षेत्र में योगदान उल्लेखनीय एवं सराहनीय है। हरियाणा में हमारा संस्थान पहला है जो उनके नाम पर जे सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए रखा गया है। आज उन्ही महान वैज्ञानिक के जन्मदिवस पर हम एकत्रित होकर उनकी उपलब्धियों का स्मरण कर रहे हैं। तोमर ने सभी अतिथियों, डीन, फैकल्टी, उपस्थित शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वैज्ञानिक डा. मेहर वान ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय विज्ञान क्षेत्र में जे सी बोस का विशिष्ठ स्थान है। विज्ञान में उनके शोध और उनके आविष्कार उनकी उपलब्धियां हैं जिन पर आज सौ साल बाद भी हम चर्चा कर रहे हैं। उन्हें आधुनिक भारतीय विज्ञान का जन्मदाता कहा जाता है।

जगदीश चंद्र बोस के जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. एसके तोमर, प्रो. नीतू गुप्ता व अन्य।

डा. वान ने बताया कि जे सी बोस पर लिखी गयी पुस्तक में उनके पत्र छपे हैं जिनसे पता चलता है कि जगदीश चंद्र बोस और रविन्द्रनाथ टैगोर में गहरी दोस्ती थी। बोस स्वामी विवेकानंद को अपना प्रेरणा स्रोत मानते थे। सभागार में स्क्रीन पर दिखाई गई एनीमेशन फिल्म में वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस के शोध एवं उनके आविष्कारों के बारे में दिलचस्प जानकारी प्राप्त हुई।

NEWS CLIPPING:01.12.2023

HADOTI ADHIKAR

वीरवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में आचार्य जगदीश चंद्र बोस की 165वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने उपरांत। साथ में हैं उच्चतर शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक नरेंद्र गुप्ता और सीमा त्रिखा।

जगदीश चंद्र बोस का जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा : मनोहर

हाड़ौती अधिकार

मुख्यमंत्री ने जगदीश चंद्र बोस को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

फरीदाबाद, 30 नवम्बर। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जे.सी.बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस के 165वीं जयंती समारोह में शिरकत की।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित की। मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस के योगदान पर बल देते हुए कहा कि उनका जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए एक आदर्श है, जिससे उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि विज्ञान क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने 2017 में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की थी।

इस दौरान कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और विकासात्मक पहलों के बारे में जानकारी भी दी। आधुनिक विज्ञान में भारत के अग्रणी और वायरलेस संचार के वास्तुकार के रूप में पहचाने जाने वाले जेसी बोस की विरासत पर एक शोध संवाद सत्र के माध्यम से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रतिष्ठित वक्ताओं सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. मेहर वान और दिल्ली विश्वविद्यालय के पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग की प्रोफेसर परमजीत खुराना ने अपनी विशेषज्ञता साझा की।

इस अवसर पर हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर, विधायक नरेंद्र गुप्ता, सीमा त्रिखा, विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING:01.12.2023

TEHELKA JAZBA

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

जगदीश चंद्र बोस का जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा: मुख्यमंत्री

तहलका जज्बा / संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जे.सी.बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस के 165वीं जयंती समारोह में शिरकत की।विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित की। श्री मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस के योगदान पर बल देते हुए कहा कि उनका जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए एक आदर्श है, जिससे उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि विज्ञान क्षेत्र मे जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 मे विश्वविद्यालय का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री मनोहर ने 2017 में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की थी।

इस दौरान कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और विकासात्मक पहलों के बारे में जानकारी भी दी। इस अवसर पर हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर, विधायक नरेंद्र गुप्ता, विधायक सीमा त्रिखा, विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जेसी. बोस की जयंती पर शोध संवाद सत्र का आयोजन

वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस की 165वीं जयंती मनाई गई

तहलका जज्बा / दीपा राणा

फरीदाबाद। जेसी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने आज प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस की 165वीं जयंती मनाई और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आधुनिक विज्ञान में भारत के अग्रणी और वायरलेस संचार के वास्तुकार के रूप में पहचाने जाने वाले जेसी बोस की विरासत पर एक शोध संवाद सत्र के माध्यम से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रतिष्ठित वक्ताओं सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. मेहर वान और दिल्ली विश्वविद्यालय के पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग की प्रोफेसर परमजीत खुराना ने अपनी विशेषज्ञता साझा की। कार्यक्रम की

अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की। इससे पहले, कुलपति प्रो. तोमर ने आमंत्रित वक्ताओं के साथ जगदीश चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. तोमर ने जेसी बोस के अंतर्विषय शोध एवं विज्ञान में योगदान पर बल दिया और युवा शोधकर्ताओं से उनके जीवन और कार्य से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। डॉ. मेहर वान ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सर जे.सी. बोस की भूमिका पर प्रकाश डाला और उनके जीवन कार्यों पर चर्चा की। प्रो. परमजीत खुराना ने विकासात्मक जीवविज्ञान में हालिया खोजों पर चर्चा करते हुए पौधों के तंत्रिका तंत्र पर जे.सी. बोस के शोध पर बात की। उन्होंने स्वस्थ पर्यावरण के लिए वनस्पतियों और जीवों के महत्व पर भी जोर दिया। सत्र का संचालन डीन (विज्ञान) प्रोफेसर नीतू गुप्ता, निदेशक (आर एंड डी) प्रोफेसर मनीषा गर्ग, भौतिकी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर सोनिया बंसल, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी प्रोफेसर राजेश आहूजा और प्रोफेसर अनुराधा शर्मा ने किया।

NEWS CLIPPING:01.12.2023

DAINIK JAGRAN

विज्ञानी जेसी बोस के शोध के बारे में बताया

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते जेसी बोस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके तोमर और डा.मेहर वान ● सौ.यूनिवर्सिटी

वि., **फरीदाबाद** : जेसी बोस विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में भारतीय विज्ञानी सर जगदीश चंद्र बोस के 165वें जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो.परमजीत खुराना व डा. मेहरवान ने अपने संबोधन में जेसी बोस के जीवन वृतांत व उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में बताया। टीपीओ राजेश कुमार आहूजा ने सर जगदीश चंद्र बोस की जीवनी व उनके शोध के बारे में विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षता कुलपति प्रो.एसके तोमर ने की। इस अवसर पर प्रो.नीतू गुप्ता, डा. मनीषा गर्ग, डा. अनुराधा शर्मा और प्रो. सोनिया बंसल ने आयोजन में सहयोग दिया।

NEWS CLIPPING:01.12.2023

PUNJAB KESARI

जगदीश चंद्र बोस का जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा : सीएम

फरीदाबाद, 30 नवम्बर (ब्यूरो): मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस के 165वीं जयंती समारोह में शिरकत की। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित की।

मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस के योगदान पर बल देते हुए कहा कि उनका जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए एक आदर्श है, जिससे उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि विज्ञान क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 2017 में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की थी। इस दौरान कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने

मुख्यमंत्री मनोहर लाल जगदीश चंद्र बोस को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और विकासात्मक पहलों के बारे में जानकारी भी दी।

इस अवसर पर हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर, विधायक नरेंद्र गुप्ता, सीमा त्रिखा, विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING:01.12.2023

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में हुआ कार्यक्रम

एनबीटी न्यूज, फरीदाबादः जेसी बोस यूनिवर्सिटी में जगदीश चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। इस दौरान मुख्य वक्ता प्रफेसर परमजीत खुराना व डॉ.मेहर ने उनके जीवन व उपलब्धियों के बारे में बताया। कुलपति प्रफेसर एसके तोमर, प्रफेसर नीतू गुप्ता, डॉ.मनीषा गर्ग, डॉ.अनुराधा शर्मा और सोनिया बंसल उपस्थित रहीं।

NEWS CLIPPING:01.12.2023

SATYAJAY TIMES

मुख्यमंत्री ने जगदीश चंद्र बोस को दी श्रद्धांजलि

फरीदाबाद, 30 नवंबर, सत्यजय टाईम्स/वनिता। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जे.सी.बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस के 165वीं जयंती समारोह में शिरकत की। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित की। मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस के योगदान पर बल देते हुए कहा कि उनका जीवन युवा शोधकताओं के लिए एक आदर्श है, जिससे उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए।

जगदीश चंद्र बोस की जयंती पर उनकी पंतिमा पर माल्यार्पण करते हुए हरीयाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल। **छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।**

उल्लेखनीय है कि विज्ञान क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री मनोहर ने 2017 में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की थी। इस दौरान कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और विकासात्मक पहलों के बारे में जानकारी भी दी।

NEWS CLIPPING:01.12.2023

DAINIK BHASKAR

शिक्षा अपनी मातृभाषा में होनी चाहिए, नई शिक्षा नीति का यही मूल उद्देश्य: प्रो. तोमर

फरीदाबाद | जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस के तोमर ने कहा कि अपनी शिक्षा अपनी मातृभाषा में होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति-2020 का यही मूल उद्देश्य है। प्रो. तोमर गुरुवार को भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस के 165वें जन्मदिवस पर संबोधन देते हुए कहा कि जेसी बोस के पिता चाहते थे कि उन्हें पहले अपनी मातृभाषा बंगाली आनी चाहिए। एनईपी-20 मातृभाषा के महत्व को दर्शाती है। वक्ता प्रो. परमजीत खुराना ने जेसी बोस के शोध एवं अनुसंधान के बारे में बताया। साथ ही शोध के मानवीय मूल्यों को समझाया। वैज्ञानिक डॉ. मेहर वान ने कहा कि उन्हें आधुनिक भारतीय विज्ञान का जन्मदाता कहा जाता है।

NEWS CLIPPING:01.12.2023

AMAR UJALA

जेसी बोस की विरासत पर शोध संवाद सत्र के माध्यम से चर्चा

फ़रीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से बृहस्पतिवार को प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस की 165वीं जयंती मनाई। विश्वविद्यालय में उन्हें याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आधुनिक विज्ञान में भारत के अग्रणी और वायरलेस संचार के वास्तुकार के रूप में पहचाने जाने वाले बोस की विरासत पर एक शोध संवाद सत्र के माध्यम से चर्चा की गई।

सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के वैज्ञानिक डॉ. मेहर वान और दिल्ली विश्वविद्यालय के पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग की प्रोफेसर परमजीत खुराना ने जेसी बोस के शोध के बारे में जानकारी दी। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने जगदीश चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने जेसी बोस के अंतः विषय शोध एवं विज्ञान में योगदान पर बल दिया और युवा शोधकर्ताओं से उनके जीवन और कार्य से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

डॉ. मेहर वान ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सर जेसी बोस की भूमिका पर प्रकाश डाला और उनके जीवन कार्यों पर चर्चा की। प्रोफेसर परमजीत खुराना ने विकासात्मक जीवविज्ञान में हालिया रुझानों पर चर्चा करते हुए पौधों के तंत्रिका तंत्र पर जेसी बोस के शोध पर बात की। उन्होंने स्वस्थ पर्यावरण के लिए वनस्पतियों और जीवों के महत्व पर भी जोर दिया। इस दौरान डीन प्रोफेसर नीतू गुप्ता, निदेशक प्रोफेसर मनीषा गर्ग, प्रोफेसर सोनिया बंसल, प्रोफेसर राजेश आहूजा और प्रोफेसर अनुराधा शर्मा मौजूद रहे। ब्यूरो

NEWS CLIPPING:01.12.2023

HINDUSTAN

मुख्यमंत्री ने जेसी बोस के योगदान को याद किया

फरीदाबाद, संवाददाता। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस के 165वीं जयंती समारोह में शिरकत की।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित की। मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस के योगदान पर बल देते हुए कहा कि उनका जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए एक आदर्श है, जिससे उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि विज्ञान क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था।

शोध संवाद सत्र आयोजित

भारत के अग्रणी और वायरलेस संचार के वास्तुकार के रूप में पहचाने जाने वाले जेसी बोस की विरासत पर एक शोध संवाद सत्र के माध्यम से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रतिष्ठित वक्ताओं वैज्ञानिक डॉ. मेहर वान और दिल्ली विश्वविद्यालय के पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग की प्रोफेसर परमजीत खुराना ने अपनी विशेषज्ञता साझा की।

NEWS CLIPPING:01.12.2023

NAVBHARAT TIMES

165वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जेसी बोस यूनिवर्सिटी में प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 165वीं जयंती पर आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके जीवन से सीख लेने की सलाह दी। विज्ञान क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए साल 2018 में यूनिवर्सिटी का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 2017 में की थी। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने मुख्यमंत्री को यूनिवर्सिटी से जुड़ी जानकारी भी दी। इस अवसर पर हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक नरेंद्र गुप्ता, सीमा त्रिखा, यूनिवर्सिटी व जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING:01.12.2023

REPCO NEWS

अपनी शिक्षा अपनी मातृभाषा में होनी चाहिए, नई शिक्षा नीति 2020 का भी यही मूल उद्देश्य है : प्रो एस के तोमर